CMYK

RNI NO.: MAHHIN/2006/16907

Postal Regd. : MCN/265-2020-2022

ऑल इंडिया ब्रिगेड • हिंदी समाचार पत्र

RNI No.MAHHIN/2006/16907

संपादक : रफीक एम. शेख   कार्यकारी संपादक : अहमद शेख

मुंबई, 06 नवम्बर 2020 से 12 नवम्बर 2020 | वर्ष 15 | अंक 01 | Web: aibnews.co.in | पृष्ठ : 8 | कीमत : दो रुपये

एनसीबी ने मुंबई में ड्रग्स के एक और रैकेट का किया भंडाफोड़

मुंबई : मुंबई में ड्रग्स की आपूर्ति के खिलाफ नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की कार्रवाई लगातार जारी है. जांच एजेंसी ने यहां ड्रग्स के एक और रैकेट का भंडाफोड़ किया है. जांच एजेंसी बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में ड्रग्स कनेक्शन की जांच शुरू की थी और अब इसका दायरा काफी फैल चुका है.

एनसीबी ने मुम्बई के उपनगर अंधेरी जुहू इलाके में ड्रग्स सप्लाई के इस नेटवर्क को उजागर किया है. अंधेरी जुहू सक्रिय इस गिरोह का सरगना अब्दुल वाहिद है. जिसे जांच एजेंसी ने धर दबोचा है. NCB के मुताबिक, अब्दुल खुद को डॉन बताता है और इसलिए उसने अपना नाम बदलकर सुल्तान मिर्जा रखा था. सुल्तान मिर्जा का किरदार हाजी मस्तान पर बनी फिल्म में अभिनेता अजय देवगन ने निभाया था. एनसीबी ने वाहिद कार भी जप्त कर ली है. कार में टऊ चरस के साथ पौने दो लाख रुपये भी बरामद हुए हैं.

एनसीबी इससे पहले बॉलीवुड ड्रग्स कनेक्शन के मामले में कई सेलेब्रिटी से पूछताछ कर चुकी है. उसने दीपिका पादुकोण, रकुल प्रीत समेत कई अभिनेत्रियों से भी ड्रग्स कनेक्शन में पूछताछ की है. दीपिका की टैलेंट मैनेजर करिश्मा प्रकाश पर भी जांच एजेंसी का शिकंजा कसता नजर आ रहा है.

सरगना गिरफ्तार

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने क्षितिज प्रसाद को एक बार फिर से गिरफ्तार कर लिया है. उसके साथ एक और शख्स एजिसियालोस को पकड़ा गया है. सूत्रों के मुताबिक दोनों को नाइजीरियन ड्रग्स सिंडिकेट से जुड़े एक केस में गिरफ्तार किया गया है. आरोपियों से पूछताछ में दोनों का नाम आया था. क्षितिज प्रसाद इसके पहले ड्रग्स केस में गिरफ्तार हो चुके हैं. क्षितिज करण जौहर की धर्मेटिक कंपनी मेंएग्जेक्युटिव प्रोड्यूसर रह चुके हैं.एजिसियालोस अभिनेता अर्जुन रामपाल की गर्ल फ्रेंड गैब्रियला का भाई है.

क्या था 2018 का `आत्महत्या` मामला जिस कारण मुंबई पुलिस ने अर्णब गोस्वामी को किया गिरफ्तार

मुंबई : रिपाब्लिक टीवी के प्रधान संपादक अर्णब गोस्वामी को 53 वर्षीय इंटीरियर डिजाइनर को कथित रूप से आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया.

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अलीबाग पुलिस की एक टीम ने गोस्वामी को यहां उनके घर से गिरफ्तार किया. गोस्वामी को पुलिस वैन में बैठाते हुए देखा गया.

इस दौरान गोस्वामी ने दावा किया कि पुलिस ने उनके घर पर उनके साथ बदसलूकी की. अधिकारी ने बताया कि 2018 में एक आर्किटेक्ट और उनकी मां ने कथित तौर पर गोस्वामी के रिपब्लिक टीवी द्वारा उनके बकाया का भुगतान न किए जाने के कारण आत्महत्या कर ली थी.

इस वर्ष मई में महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने आर्किटेक्ट अन्वय नाइक की बेटी अदन्या नाइक की नई शिकायत के आधार पर फिर से जांच का आदेश दिये जाने की घोषणा की थी.

देशमुख ने बताया था कि अदन्या ने आरोप लगाया है कि अलीबाग पुलिस ने गोस्वामी के चैनल द्वारा बकाया भुगतान ना करने के मामले में जांच नहीं की. उसका दावा है कि इस कारण ही उसके पिता और दादी ने मई 2018 में आत्महत्या कर ली थी.

मुंबई में 500 करोड़ रुपये के Luxury homes बिके, मिनिमम 4 करोड़ रुपये है एक घर की कीमत

मुंबई : रियल एस्टेट सेक्टर के लिए मुंबई से अच्छी खबर आई है। स्टांप ड्ूटी में छूट और विभिन्न बैंकों और रियल एस्टेट कंपनियों द्वारा गिए गए फेस्टिवल ऑफर्स के कारण अक्टूबर महीने में साउथ-सेंट्रल मुंबई में 500 करोड़ रुपये से अधिक कीमत के लग्जरी होम्स (छ४७४१८ ल्क्ष्ौ२) बिके हैं। जबकि, पिछले

साल अक्टूबर में केवल 150 करोड़ रुपये के आलीशान घर बिके थे। इस साल त्योहारी सीजन में मुंबई में लग्जरी होम्स की बिक्री में 230% की ग्रोथ दर्ज की गई है। यह दावा एनारॉक प्रोपर्टी कंसल्टेंट्स ने किया है। साउथ-सेंट्रल मुंबई में वर्ली, प्रभादेवी, महालक्ष्मी, तारदेव और लोअर परेल जैसे पॉश इलाके आते हैं। यहां एक घर की मिनिमम प्राइस करीब 4 करोड़ रुपये से शुरू होती है। साउथ-सेंट्रल मुंबई बिजनेसमैन से लेकर फिल्म स्टार्स, स्पोर्ट्स पर्सनेलिटीज और सेलिब्रिटीज का पसंदीदा इलाका है। एनारॉक कंसल्टेंट्स के चेयरमैन अरुण पूरी (अ१४ल्ल स्त्र४१) ने कहा कि सरकार द्वारा दिसंबर 2020 तक स्टांप ड्यूटी में 3% की छूट और फिर जनवरी से मार्च 2021 तक स्टांप ड्यूटी में 2% की छूट देने से मुंबई के महंगे पॉश कॉलोनी में घर खरीदने वाले लोंगों की संख्या बढ़ा है।

संपादकीय

असंतोष और आंदोलन

आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन इस देश के लिए कोई नई बात नहीं है। हालांकि कुछ लोगों को यह बात थोड़ी अजीब जरूर लग सकती है कि इस समय जब देश एक महामारी से संघर्ष कर रहा है, तब आंदोलन जैसी कोई बात नहीं होनी चाहिए। ऐसे आंदोलन मास्क लगाकर नहीं होते और सामाजिक दूरी का कोई सिद्धांत यहां नहीं दिखता है। लेकिन यह भी सच है कि ऐसे आंदोलन अक्सर असंतोष की उपज होते हैं और इस समय असंतोष चरम पर है। लॉकडाउन शुरू होने के बाद जिस तरह देश में बेरोजगारी बढ़ी है, उसे देखते हुए असंतोष के कारणों को समझा जा सकता है। ऐसे में, जब अर्थव्यवस्था के पटरी पर लौटने के दावे किए जा रहे हैं, बेरोजगारी कम होने के बजाय बढ़ रही है।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी द्वारा जारी आंकड़े बता रहे हैं कि सितंबर के मुकाबले अक्तूबर में बेरोजगारी दर और बढ़ी है। भारत में राजनीति हमेशा से ही कुछ इस तरह से चलती रही है कि लोग रोजगार की मांग को लेकर सड़कों पर उतना नहीं उतरते, जितना आरक्षण की मांग को लेकर उतरते हैं। हालांकि यह आंदोलन चलाने वाले भी जानते हैं कि इसके जरिए कुछ लोगों को नौकरी जरूर मिल सकती है, लेकिन इससे पूरी समस्या का समाधान नहीं हो सकता।

राजस्थान में गुर्जर समुदाय के आंदोलनकारी फिलहाल आरक्षण की मांग को लेकर जिस तरह से सड़कों और रेल पटरियों पर जमे हुए हैं, उनके असंतोष को भी हमें इसी तरह से समझना होगा। वैसे गुर्जर समुदाय को पिछड़ी जाति के तौर पर आरक्षण का लाभ दिया जाता है, लेकिन यह आरक्षण उन्हें संतुष्ट करने में समर्थ नहीं है और वे चाहते हैं कि उन्हें अति-पिछड़ी जाति के तौर पर आरक्षण दिया जाए।

वैसे यह मांग भी कोई नई नहीं है और कई बार पहले भी उठ चुकी है। एकाध बार तो ऐसे आंदोलन सामुदायिक तनाव और संघर्ष में भी बदले हैं, लेकिन आमतौर पर ऐसे आंदोलन चुनाव के आस-पास होते हैं और उन्हें राजनीति का हिस्सा मान लिया जाता है। लेकिन इस बार जहां आंदोलन चल रहा है, वहां कोई चुनाव सामने नहीं है, इसीलिए इस असंतोष को बढ़ती बेरोजगारी के संदर्भ में समझना जरूरी है। आमतौर पर ऐसे आंदोलनों की आग में एक और चीज घी डालने का काम करती है, वह है कृषक समुदाय की बदहाली। लगातार बदहाली के कारण अब किसान परिवारों के युवा कृषि में अपना भविष्य नहीं देखते, लेकिन जब वे अपने पुश्तैनी काम के बाहर कोई रोजगार खोजते हैं, तो इसके अवसर वहां बहुत ज्यादा उपलब्ध नहीं हैं। उन्हें लगता है कि आरक्षण उनके अवसरों को थोड़ा बढ़ा सकता है। फिर अपने देश में जो राजनीति चल रही है, उसमें आरक्षण सिर्फ समुदाय के सामाजिक उत्थान का ही मामला नहीं है, बल्कि उसकी राजनीतिक ताकत का प्रतीक भी बन गया है। सरकारों के लिए यह संकट का समय भी होता है और उसके राजनीतिक कौशल की परीक्षा का भी। अगर आप सीधे से आरक्षण दे दें, तो कई दूसरे समुदायों के संगठन भी ऐसी ही मांग के साथ आगे आ जाएंगे। पिछले दिनों केरल में आर्थिक रूप से कमजोर तबकों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई, तो इसके खिलाफ ही आंदोलन शुरू हो गया।

धर्म और आतंकवाद में भेद समझना जरूरी

फ्रांस ने माली में सर्जिकल स्ट्राईक कर 30 बाइक सवारों को मौत के घाट उतार दिया है। फ्रांस का दावा है कि यह अलकायदा से जुड़े आतंकी थे। दरअसल फ्रांस ने यह कार्रवाई उस वक्त की जब फ्रांस में मुस्लमानों द्वारा राष्ट्रपति मैक्रों के ब्यान की निंदा की जा रही थी। इससे पूर्व राष्ट्रपति ने देश में एक अध्यापक द्वारा पैगंबर हजरत मोहम्मद का विवादित कार्टून दिखाने का समर्थन किया था। उस अध्यापक की हत्या के बाद हिंसा की दो अन्य घटनाएं घटी। विश्व भर के मुस्लमानों ने राष्ट्रपति मैक्रों के बयान की निंदा की।

आखिर मैक्रों ने नई रणनीति के तहत धर्म आधारित कार्टून का समर्थन न करने की बात कहकर हिंसा को बर्दाश्त नहीं करने की चेतावनी दे दी। भले ही मैक्रों ने किसी भी व्यक्ति की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाकर फिर खेद व्यक्त कर दिया लेकिन तब तक मामला काफी आगे निकल चुका था।

दरअसल सारा मामला ही आतंकवाद व धर्म के बीच अंतर पैदा करने का है। आतंकवाद किसी भी तरह बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। आतंकवाद का कोई भी धर्म नहीं होता। आतंकवाद को धर्म के साथ जोड़ने वाले धर्म का दुरुपयोग करते हैं। अमेरिका में विश्व व्यापार केंद्र, भारतीय संसद व मुंबई आतंकी हमला आतंकवाद का काला चेहरा हैं। ऐसे में सभी देशों का यह कर्तव्य बनता है कि आतंकवाद व धर्म को अलग-अलग परिभाषित किया जाए। इस मामले में जॉर्ज डब्लयू बुश की नीतियां व रणनीतियों का जिक्र भी होना लाजिमी है। बुश ने विश्व व्यापार केंद्र पर हुए हमले के बाद एक महीने तक यह प्रचार किया कि वे आतंकवाद और धर्म को किसी भी रूप में एक नहीं मानते। आखिर बुश प्रशासन ने अफगानिस्तान में अलकायदा के खिलाफ जोरदार कार्रवाई भी की। अमेरिका की कार्रवाई के कारण आतंकवादी संगठन काफी कमजोर पड़ गए।

जहां तक फ्रांस में घटनाओं का संबंध है, फ्रांस आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका की तरह मजबूती से लड़ाई नहीं लड़ सका। आतंकवाद के खिलाफ पूरी दुनिया फ्रांस के साथ है लेकिन इस लड़ाई को गलत अर्थ निकालने वाली ताकतों के प्रति सावधान रहना होगा। आतंकवाद इंसानियत का दुश्मन है और धर्म व मानवता की सलामती चाहता है। धर्म के नाम पर आतंकवादी संगठनों ने न केवल शरीफ लोगों को गुमराह किया बल्कि उच्च शिक्षा प्राप्त युवकों को भी हिंसक बना दिया, जिनमें इंजीनियर तक शामिल थे। इन परिस्थितियों में आतंकवाद के खिलाफ जंग को पूरी सतर्कता से लड़ने की आवश्यकता है ताकि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई किसी धर्म के खिलाफ साबित न हो।

पटाखों पर पाबंदी

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यानी एनजीटी ने केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय समेत दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की सरकारों से यह जो सवाल पूछा कि क्यों न सात से 30 नवंबर तक पटाखों के उपयोग को प्रतिबंधित कर दिया जाए, उस पर उन्हें सकारात्मक रुख अपनाना चाहिए। ऐसी किसी पहल को उत्सवधर्मिता को हतोत्साहित करने की कोशिश के बजाय प्रदूषण से बचने के उपाय के तौर पर देखा जाना चाहिए। यह सही है कि दिवाली पर पटाखे जलाने की परंपरा है और उनकी बिक्री पर पाबंदी से कुछ लोगों को शिकायत हो सकती है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि पटाखे प्रदूषण बढ़ाने का काम करते हैं। बीते कई वर्षों से यह देखने में आ रहा है कि दिवाली के दौरान पटाखों का इस्तेमाल वायुमंडल को और जहरीला बना देता है। आखिर जब अभी वायु प्रदूषण खतरनाक रूप ले चुका है, तब फिर इसकी कल्पना सहज ही की जा सकती है कि पटाखों के इस्तेमाल के बाद कैसी सूरत बनेगी?

इस बार तो पटाखों के उपयोग से इसलिए भी बचा जाना चाहिए, क्योंकि कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा अभी टला नहीं है। इससे किसी को अनजान नहीं होना चाहिए कि वायु प्रदूषण कोरोना वायरस से उपजी महामारी कोविड-19 के प्रकोप को बढ़ाने का काम कर सकता है। तथ्य यह भी है कि दिल्ली सरकार पटाखा विरोधी अभियान शुरू करने जा रही है और राजस्थान सरकार ने भी पटाखों की बिक्री पर रोक लगाने का फैसला कर लिया है। पटाखों की बिक्री पर रोक को प्रभावी रूप देने की आवश्यकता है, क्योंकि बीते वर्षों में दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर पाबंदी के बाद भी उनकी खरीद-बिक्री देखने को मिली। इसका एक कारण यह था कि पर्यावरण के अनुकूल माने जाने वाले ग्रीन पटाखों की उपलब्धता का अभाव रहा। यदि पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए खतरा बनने वाले हानिकारक पटाखों को चलन से रोकना है तो ग्रीन पटाखों की उपलब्धता पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इस दौरान यह भी देखा जाना चाहिए कि ग्रीन पटाखे पर्यावरण के अनुकूल ही हों।

निःसंदेह यह भी सुनिश्चित करने की जरूरत है कि केवल दिवाली के आसपास पटाखों की बिक्री पर पाबंदी लगाकर वायु प्रदूषण की विकराल होती समस्या का सही समाधान नहीं किया जा सकता। यह खेद की बात है कि तमाम प्रयासों के बाद भी पराली यानी फसलों के अवशेष जलाने के सिलसिले को नहीं रोका जा सका। इसी प्रकार वायु प्रदूषण को बढ़ाने वाले अन्य कारणों, जैसे सड़कों एवं निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल और ट्रैफिक जाम के चलते वाहनों के खतरनाक उत्सर्जन को नियंत्रित करने के भी कोई प्रभावी उपाय नहीं किए जा सके हैं।

अगर मुकाबला हो गया टाई तो क्या होगा

क्यों हो रही अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव के नतीजों में देरी ?

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की काउंटिंग बीते कई घंटों से जारी है। पिछले चुनाव की तुलना में इस बार नतीजों के आने में ज्यादा समय लग रहा है। इस बार तकरीबन 16 करोड़ मतदाताओं ने राष्ट्रपति चुनने के लिए वोट डाले हैं। लेकिन, इसमें से लगभग दस करोड़ अमेरिकी वोटर्स मेल-इन के जरिए से पहले ही वोट डाल चुके थे।

रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेट्स के उम्मीदवार जो बाइडेन के बीच हो रहे मुकाबले में ज्यादा समय लगने के पीछे की वजह मेल-इन वोट्स ही हैं। दरअसल, वोटों की गिनती शुरू हुए घंटों बीत जाने के बाद भी अभी भी ज्यादातर जगहों पर मेल-इन

वोट्स की गिनती शुरू नहीं हुई है। यानी कि ज्यादातर राज्यों ने उन वोटों को गिनना ही नहीं शुरू किया है, जिन्हें तीन नवंबर को हुए मतदान से पहले डाला गया था। दस करोड़ मेल-इन वोट्स तीन नवंबर को पड़े छह करोड़ वोट्स की संख्या से कहीं अधिक है, जिसकी वजह से अमेरिकी चुनाव के नतीजों को आने में अभी और समय लग सकता है।

चुनावी नतीजों को आने में कितना समय लगेगा ?

अमेरिका में मंगलवार को राष्ट्रपति चुनाव की वोटिंग के दौरान भी विश्लेषक यह कह रहे थे कि इस बार पहले की तुलना में कहीं अधिक समय लगेगा नतीजों के आने में। विश्लेषकों की मानें तो मेल-इन वोटों की गिनती की वजह से कुछ राज्यों में तो कुछ दिन या कई राज्यों में सप्ताह भर का भी लग सकता है।

बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी से चुनाव लड़ने वाले भारतीय मूल के 4 उम्मीदवार फिर जीत

अमेरिकी : अमेरिकी कांग्रेस के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़े भारतीय मूल के चारों प्रत्याशियों - डॉ.एमी बेरा, प्रमिला जयपाल, रो खन्ना और राजा कृष्णमूर्ति- ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर जीत दर्ज की है। अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव में भारतीय-अमेरिकी समुदाय पहली बार एक बड़ी ताकत बनकर उभरा है और डेमोक्रेटिक तथा रिपब्लिकन, दोनों पार्टियों ने समुदाय के 18 लाख मतदाताओं को लुभाने के लिए कई कदम उठाए। फ्लोरिडा, जॉर्जिया, मिशिगन, नार्थ कैरोलिना, टेक्सास और पेनसिल्वेनिया जैसे कांटे की लड़ाई वाले राज्यों में जीत के लिए इस समुदाय के मत अहम हैं। भारतीय मूल के सांसदों के समूह को कृष्णमूर्ति अनौपचारिक रूप से ह्यसमोसा कॉकस कहते हैं और इस चुनाव में इस समूह में कम से एक सदस्यों की वृद्धि की पूरी संभावना है क्योंकि डॉ. हीरल तिपिरनेनी की एरिजोना के छठे कांग्रेस निर्वाचन क्षेत्र में रिपब्लिकन उम्मीदवार डेविड श्वेकर्ट पर अंतिम सूचना मिलने तक बढ़त बनी हुयी थी।

ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनी ने अमेरिका के चुनाव का मखौल उड़ाया

तेहरान : ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मतदान में धांधली के आधारहीन दावों का उल्लेख करते हुए मंगलवार को एक टेलीविजन संबोधन में अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव का माखौल उड़ाया। अयातुल्ला अली खामेनी ने ईरान के पुराने रुख को दोहराया कि ट्रंप जीतें या जो बाइडेन जीतें, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। ट्रंप के और चार साल के कार्यकाल के दौरान ईरान के खिलाफ अधिकतम दबाव सामने आ सकता है जिससे ईरानी अर्थव्यवस्था और प्रभावित हो सकती है। इससे तेहरान के विदेशों में अपने कच्चे तेल को खुलेआम बेचने पर रोक लग सकती है। हालांकि बाइडेन ने कहा है कि वह तेहरान के विश्व शक्तियों के साथ 2015 के परमाणु समझौते में फिर से शामिल करने पर विचार करेंगे, जिससे संकटग्रस्त ईरानी रियाल को संभावित राहत मिलेगी। खामेनी ने कहा, ह्यह्ययदि आप उनकी खुद की स्थिति को देखते हैं, तो यह देखना बहुत मजेदार है। वर्तमान राष्ट्रपति जिनसे चुनाव कराने की उम्मीद की जाती है, उनका कहना है कि यह देश के इतिहास का सबसे धांधली वाला अमेरिकी चुनाव है ह्यह्य उन्होंने कहा, यह कौन कहता है? मौजूदा राष्ट्रपति जो खुद चुनाव की व्यवस्था कर रहे हैं। उनके प्रतिद्वंद्वी कहते हैं कि ट्रंप व्यापक रूप से धोखाधड़ी करना चाहते हैं। यह अमेरिकी लोकतंत्र है। खामेनी ने कहा कि चुनाव के परिणाम से हमारा कोई लेना- देना नहीं है, जिसका अर्थ है कि यह हमारी नीति को प्रभावित नहीं करेगा। हमारी नीति स्पष्ट है और किसी के आने या जाने से कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा ह्यह्य खामेनी (81) ईरान के सर्वोच्च नेता के रूप में देश में सभी मामलों पर अंतिम फैसला करते हैं।

यूरोप में आतंक की नई लहर

एक ही हिंसक विचारधारा की उपज, जिहादी आतंकवाद का साया गहराता जा रहा

फ्रांस में बर्बर आतंकी हमलों की ओर से दुनिया का ध्यान हटा भी नहीं था कि आस्ट्रिया की राजधानी वियना में आतंकियों ने धावा बोलकर यूरोप के साथ-साथ पूरी दुनिया को थर्रा दिया। पेरिस और नीस के बाद वियना के आतंकी हमले यही बता रहे हैं कि जिहादी आतंकवाद का साया गहराता जा रहा है। इन यूरोपीय शहरों में हुए आतंकी हमलों के बीच कनाडा के क्यूबेक प्रांत और अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के आतंकवादी हमलों की भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए, क्योंकि ये सब हमले एक ही हिंसक विचारधारा की उपज हैं। वियना में आतंकियों ने जिस तरह एक साथ कई स्थानों पर लोगों को निशाना बनाया, उससे मुंबई में हुए भीषण आतंकी हमले की याद आ जाना स्वाभाविक है। वियना को निशाना बनाने वाले खूंखार आतंकी संगठन आइएस से कुप्रेरित बताए जा रहे हैं। इसका मतलब है कि भले ही सीरिया और इराक में इस आतंकी संगठन की कमर टूट गई हो, लेकिन उसके सहयोगी और हमदर्द दुनिया भर में फैल गए हैं। बीते वर्षों में दुनिया में तमाम आतंकी हमले ऐसे ही आतंकियों की ओर से किए गए, जो या ता आइएस से सीधे तौर पर जुड़े थे या फिर उससे

कुप्रेरित थे। वियना में पुलिस की गोली का निशाना बने एक आतंकी के बारे में यह माना जा रहा है कि वह सीरिया जाने की फिराक में था और इसी कारण खुफिया एजेंसियों की निगाह में था। आस्ट्रिया में आतंकी हमला इसलिए हैरान करता है, क्योंकि यह उन देशों में है जिसने सीरिया, इराक आदि देशों के शरणार्थियों को उदार भाव से अपनाया। सच तो यह है कि वहां इन देशों के शरणार्थियों को अपनाने की मुहिम भी चली थी। स्पष्ट है कि आइएस और अल-कायदा जैसे आतंकी संगठनों के लिए इस तरह की उदारता का कोई मूल्य नहीं। वे सारी दुनिया में खिलाफत कायम करने की सनक से ग्रस्त हैं। दुनिया को इस हिंसक सनक का सामना एकजुट होकर सख्ती के साथ करना होगा। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि विश्व भर में वियना में हुए आतंकी हमलों की निंदा हो रही है, क्योंकि तथ्य यह भी है कि अमेरिका अफगानिस्तान को तबाह करने में जुटे तालिबान से समझौते को अपनी कामयाबी मान रहा है तो पश्चिम में सेक्युलर और लिबरल तत्वों का एक वर्ग जिहादी आतंकवाद की गंभीरता को समझने के लिए तैयार नहीं। यह शुभ संकेत नहीं कि दुनिया के अन्य देशों के साथ भारत में भी कुछ तत्वों ने फ्रांस के आतंकी हमलों को जायज ठहराया।

आॅल इंडिया ब्रिगेड • हिंदी समाचार पत्र
Postal Regd. : MCN/265-2020-2022

अर्णब गोस्वामी की गिरफ्तारी के बाद इंजीनियर अन्वय नाइक की पत्नी ने दिया बयान

संवाददाता

मुंबई : 53 वर्षीय इंटीरियर डिजाइनर अन्वय नाइक और उनकी मां को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप में रिपब्लिक टीवी के एडिटर-इन-चीफ अर्णब गोस्वामी को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अर्णब की गिरफ्तारी के बाद अन्वय नाइक की पत्न ी अक्षिता नाइक ने मुंबई पुलिस की कार्रवाई का स्वागत किया है। अक्षिता ने कहा है कि वो एक लंबे वक्त से इस क्षण का इंतजार कर रही थीं।

अर्णब की गिरफ्तारी के बाद मीडिया से बात करते हुए अक्षिता ने कहा, ह्यमैं महाराष्ट्र पुलिस को धन्यवाद देना चाहती हूं क्योंकि उनकी वजह से मैंने अपने जीवन में यह दिन देखा है। मैंने अब तक काफी धैर्य रखा था। ये जरूर है कि मेरे पति और मेरी सास अब वापस नहीं लौट सकते, लेकिन वो अब भी मेरे लिए जीवित जैसे ही हैं।

अन्वय की पत्नी ने कहा, ह्यसुशांत सिंह राजपूत ने खुदकुशी की, यह बुरा हुआ। अर्णब इसके लिए खूब शोर मचा रहे हैं। लेकिन मेरी सास और मेरे पति की मौत के जिम्मेदार वही हैं। पिछली सरकार ने इस मामले को दबा कर रखा। न्याय पाने के लिए मैंने हर चौखट पर दस्तक दी, लेकिन मुझे इंसाफ नहीं मिला। मुझे न्याय कब मिलेगा, अर्णब ने मेरे परिवार का बुरा किया है। वह इस चीज के लिए जिम्मेदार हैं।

अर्नब की गिरफ्तारी से पहले अक्षिता ने कहा कि मैं आप सबसे हाथ जोड़कर विनती करती हूं कि नाइक परिवार को न्याय मिले, इसके लिए आप सब मदद करें। जो लोग सुशांत सिंह राजपूत के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं, वह नाइक परिवार के लिए भी लड़ाई लड़े।

सन्नाटे का फायदा, लॉकडाउन में रेलवे ने बना डाले 19 नए फुटओवर ब्रिज

संवाददाता

मुंबई : पिछले सात महीनों में लगे लॉकडाउन का फायदा उठाकर वेस्टर्न रेलवे, सेंट्रल रेलवे और मुंबई रेल विकास कॉर्पोरेशन ने मुंबई डिविजन में 19 फुट ओवर ब्रिज बना डाले। इनमें से 14 फुट ओवर ब्रिज वेस्टर्न रेलवे में हैं और बाकी के सेंट्रल रेलवे के तहत। लॉकडाउन में यात्रियों की मामूली संख्या की बदौलत ही रेल अधिकारी इतनी तेजी से ये प्रॉजेक्ट पूरा कर सके।

अप्रैल 2019 में आईआईटी बॉम्बे ने वेस्टर्न और सेंट्रल रेलवे क्षेत्रों में 50 फुट ओवर ब्रिज की मरम्मत का सुझाव दिया था। आईआईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, अकेले सेंट्रल रेलवे में ही 30 फुटओवर ब्रिज की तुरंत मरम्मत की जरूरत थी। सेंट्रल रेलवे ने अक्टूबर में विखरोली, ठाकुरली और डोंबिवली में फुट ओवर ब्रिज खोले हैं। सेंट्रल रेलवे के प्रवक्ता का कहना है, ह्यलॉकडाउन के अवसर का फायदा उठाकर हमने अपने इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रॉजेक्ट्स को बेहतर बनाया है ह्न

आईआईटी बॉम्बे की रिपोर्ट ने वेस्टर्न रेलवे के 16 ऐसे फुट ओवर ब्रिजों की पहचान की थी जिन्हें असुरक्षित करार देते हुए गिराने की सिफारिश की गई थी। इनमें से 13 को गिराया जा चुका है बाकी के तीन (दादर, अंधेरी और गोरेगांव) को गिराने की प्रक्रिया चल रही है। इस काम को 31 दिसंबर तक पूरा होना है।

शिवाजी पार्क बना सांपों का घर

मुंबई : दादर में स्थित शिवाजी पार्क में पिछले कुछ दिनों से सांपों ने कब्जा जमा रखा है। यहां एक के एक कई सांप पकड़े भी गए, बावजूद इसके अभी भी इस पार्क में सांपों का दिखना शुरू है। सांपों के डर से आसपास के रहने वाले लोगों की घिग्गी बंधी है। लोग डर के मारे इस पार्क में न तो खेलने आ रहे हैं और न ही टहलने। बुधवार को एक बार फिर शिवाजी पार्क जिमखाना के पास सांप स्पॉट किया गया है। जिसके बाद सर्प मित्र बुलाया गया, फिर उस सांप को पकड़ कर जंगल में छोड़ दिया गया ।

नाबालिग चचेरी बहन से बलात्कार के आरोप में आरटीआई कार्यकर्ता के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई : शहर के एक आरटीआई कार्यकर्ता पर अपनी नाबालिग चचेरी बहन से बलात्कार के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी फरार है। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि 17 वर्षीय पीड़िता ने पुलिस से की गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि आरटीआई कार्यकर्ता (30) ने उपनगर मलवानी में एक घर में उसके साथ बलात्कार किया, जहां वे दोनों साथ रहते थे। उन्होंने कहा कि आरोपी फरार है। पीड़िता ने अपनी मां को इस कथित घटना के बारे में बताया, जिसके बाद वे मंगलवार को मलवानी थाने गए और शिकायत दर्ज कराई। हालांकि पुलिस ने यह नहीं बताया कि घटना कब हुई। मलवानी थाने के वरिष्ठ निरीक्षक जगदेव कलापड ने कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार) और पॉक्सो अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

13 दिन के नवजात की हत्या, इंसानियत हुई शर्मसार

संवाददाता

सांगली : महाराष्ट्र के सांगली शहर में एक नवजात की हत्या ने पूरे शहर में सनसनी मचा दी है। इस घटना ने पूरी इंसानियत को शर्मसार किया है। सांगली के भिलवाड़ी में इस निर्मम हत्या को अंजाम दिया गया है। पानी की टंकी में इस 13 दिन के मासूम बच्चे का शव पाया गया है। इस घटना की जानकारी जैसे ही स्थानीय लोगों को लगी तुरंत पुलिस को सूचित कर मामले की जानकारी दी गई। पुलिस ने भी मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

हत्या के पीछे की वजह का पता नहीं

पुलिस ने पूरे इलाके की छानबीन की और हर संभव कोशिश शुरू है कि गुनहगार को जल्द से जल्द सलाखों के पीछे पहुंचाया जाए। हालांकि अभी तक पुलिस को हत्या के पीछे की वजह नहीं पता चल पाई है। हत्या के बाद जिले की एसपी खुद घटनास्थल पर पहुंचकर मुआयना कर चुकी हैं।

पीएम रिपोर्ट की प्रतीक्षा

पुलिस ने बच्चे और उसके माता-पिता के संदर्भ में भी जानकारी जुटाना शुरू कर दिया है। फिलहाल पुलिस ने बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए नजदीक के स्थानीय अस्पताल में भेजा है। बच्चे के पोस्टमार्टम के रिपोर्ट आने के बाद में ही अब यह स्पष्ट हो पाएगा कि आखिर बच्चे के साथ क्या हुआ था।

पुलिस ने गांव और आसपास के इलाकों में लगे हुए सीसीटीवी कैमरों की जांच करना भी शुरू कर दिया है। इसके अलावा प्रत्यक्षदर्शियों और आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। ताकि इस हत्या के गुनहगारों को जल्द से जल्द पकड़ा जा सके। पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होगा।

चलती ट्रेन में महिला ने दिया बच्चे को जन्म, महिला को पालघर के अस्पताल में रेल प्रशासन ने भर्ती करवाया

संवाददाता

पालघर : बांद्रा से गाजीपुर जाने वाली बांद्रा गाजीपुर एक्सप्रेस में एक महिला ने चलती ट्रेन में बच्चे को जन्म दिया। इस ट्रेन के एस12 कोच में यह महिला अपने परिवार के साथ यात्रा कर रही थी। गुड़िया विश्वकर्मा नाम की महिला ने बच्चे को जन्म दिया है। राजेश विश्वकर्मा अपनी पत्नी गुड़िया विश्वकर्मा के साथ बांद्रा से कोविड विशेष ट्रेन में बांद्रा स्टेशन से गाजीपुर के लिए रविवार की रात को निकले थे। बांद्रा से गाड़ी निकलने के बाद विरार के पास पहुंचने तक गुड़िया को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई थी।

ट्रेन के शौचालय में बच्चे को जन्म दिया

प्रसव पीड़ा शुरू होने के बाद गुड़िया ने ट्रेन के टॉयलेट में जाकर बच्चे को जन्म देने का प्रयास किया। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद पश्चिम रेलवे प्रशासन ने भी ट्रेन को अगले स्टॉप पर रुकवाने का फैसला किया। जिसके तहत पालघर में रात

तकरीबन साढ़े बारह बजे इस ट्रेन को रुकवाया गया और प्रसूति के बाद कि सभी प्रक्रिया पूरी की।

पालघर स्टेशन पर की गई पूरी तैयारी

बांद्रा गाजीपुर एक्सप्रेस पालघर रेलवे स्टेशन पर पहुंचती। इसके पहले ही वहां रेलवे प्रशासन ने डॉक्टरों की टीम को तैनात कर दिया ताकि डिलीवरी के बाद की सारी जरूरी सुविधाएं महिला को मिल सकें। वैशाली नर्सिंग होम के डॉक्टर राजेंद्र चौहान ने महिला को अपने अस्पताल में भर्ती करवाया।

महिला को पालघर रेलवे स्टेशन से हॉस्पिटल तक ले जाने के लिए पहले से ही एंबुलेंस का बंदोबस्त किया गया था ताकि महिला को अस्पताल पहुंचाने में किसी भी प्रकार का विलंब ना हो। डॉ राजेंद्र चौहान ने उदारता का परिचय देते हुए महिला से एक भी रुपए न लेने का फैसला भी किया है।

ऑल इंडिया ब्रिगेड • हिंदी समाचार पत्र
Postal Regd. : MCN/265-2020-2022

आत्महत्या के लिए उकसाने के पुराने मामले में रिपब्लिक के एडिटर इन चीफ अर्णब गोस्वामी गिरफ्तार

मुंबई : रायगढ़ पुलिस ने बुधवार सुबह रिपब्लिक टीवी के एडिटर-इन-चीफ अर्णब गोस्वामी समेत दो अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इन पर 53 वर्षीय इंटीरियर डिजाइनर और उनकी मां को 2018 में आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप है। इस केस में अर्णब के साथ जिन दो लोगों की गिरफ्तारी हुई है, उनमें एक फिरोज शेख जबकि दूसरे नितेश सारदा हैं। गोस्वामी को वर्ली जबकि फिरोज को कांदिवली और नितेश को जोगेश्वरी से गिरफ्तार किया गया है।

अर्णब की गिरफ्तारी रायगढ़ पुलिस और मुंबई पुलिस के संयुक्त अभियान में हुई है। एपीआई सचिन वाजे की टीम ने अर्णब को उनके घर से गिरफ्तार किया। आरोप के मुताबिक, रिपबल्क टीवी पर आर्टिकेक्ट फर्म कॉन्कॉर्ड डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड के एमडी अन्वय नाइक का 83 लाख रुपया बकाया था। नाइक ने रिपब्लिक टीवी का स्टूडियो तैयार किया था। दो अन्य कंपनियां- आईकास्टएक्स/स्काइमीडिया और स्मार्टवर्क्स भी अपना-अपना बकाया चुकाने में नाकाम रहीं। पुलिस के मुताबिक, तीनों कंपनियों पर कुल 5.40 करोड़ रुपये का बकाया था।

जब अलीबाग पुलिस जब मुंबई पुलिस की एक टीम के साथ वर्ली स्थित अर्णब के घर गई तो वहां हाई वोल्टेज ड्रामा हुआ। अलीबाग पुलिस ने इस आशंका में मुंबई पुलिस की मदद मांगी कि अर्णब गोस्वामी गिरफ्तारी की प्रक्रिया में बाधा खड़ी कर सकते हैं।

असिस्टेंट इंस्पेक्टर सचिन वाजे के नेतृत्व में मुंबई क्राइम ब्रांच की एक टीम, स्पेशल ऑपरेशन स्क्वायड और एसपी अशोक दुधे के नेतृत्व में अलीबाग पुलिस अर्णब के घर सुबह 6 बजे पहुंची। सूत्रों ने बताया कि पूरा अभियान गुप्त रखा गया और जब तक ये टीमें गोस्वामी के 17वें फ्लोर पर स्थित आवास पर नहीं पहुंची, स्थानीय एनएम जोशी मार्ग पुलिस को भी इसका कुछ अता-पता नहीं था। कुछ महीने पहले एक हमले के बाद अर्णब गोस्वामी को केंद्र सरकार की तरफ से वाई-प्लस सिक्योरिटी मिली हुई है।

26 दिसंबर को मुंबई एयरपोर्ट पर आतंकी हमले की आशंका, हाई अलर्ट जारी

मुंबई : सुरक्षा एजेंसियों ने खुफिया सूचनाओं के आधार पर महाराष्ट्र के मुंबई इंटरनैशनल एयरपोर्ट के लिए हाई अलर्ट घोषित किया है। ऐसी सूचना है कि 26 दिसंबर को आतंकवादी संगठन एयरपोर्ट को निशाना बनाने की योजना बना सकते हैं। ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस) ने अलर्ट जारी किया। साथ ही एयरपोर्ट पर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कड़े कदम उठाए हैं।

सीआईएसएफ ने मुंबई पुलिस और विमानन अधिकारियों को भेजे गए अलर्ट को कहा है कि 26 दिसंबर को मुंबई हवाई अड्डे पर कुछ आतंकवादी संगठनों की ओर से हमले के संबंध में केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों से इनपुट मिले हैं। इसके मद्देनजर मुंबई हवाई अड्डे पर मौजूदा सुरक्षा उपायों को बढ़ाना आवश्यक है। पता चला कि उन्होंने (आतंकी संगठनों) ने 22 लोगों को इसके लिए चुना है। आतंकवादी संगठन की ओर से हमले के लिए प्रत्येक को 20 लाख रुपये के नकद पुरस्कारों की भी घोषणा की गई है। खुफिया अलर्ट के बाद बीसीएएस ने बिल्डिंग, एयरसाइड, सभी ऑपरेटिंग जोन और अन्य विमानन सुविधाओं में प्रवेश के नियम को और सख्त किया है।

ड्रोन, माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट, पार्सल आदि की बारीकी से निगरानी करने के लिए कहा गया है।

महाराष्ट्र में इटली माफिया की सरकार कर रही प्रेस की आजादी पर हमला : भाजपा

मुंबई: एक अनुमान के मुताबिक, कोरोना वैक्सीन आने वाले तीन महीने के बाद सभी के लिए उपलब्ध हो सकती है. ऐसे में केंद्र सरकार के कहने पर महाराष्ट्र सरकार सबसे पहले डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मियों को कोरोना का टीका देने की तैयारी तो कर रही है लेकिन इसमें निजी डॉक्टरों को शामिल नहीं किया जा रहा है. इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA)` इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुहार लगाई है. देश में कोरोना की महामारी के बाद जो डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी, संक्रमित मरीजों की रक्षा में जुटे हैं, अब उनकी रक्षा में भेदभाव का आरोप लगा है. जिलाधिकारियों, महानगरपालिका आयुक्त और विभागीय आयुक्तों को जारी महाराष्ट्र सरकार के सर्कुलर पर सवाल उठाते हुए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) ने आरोप लगाया है कि कई निजी डॉक्टर, दवाखानों, पैथोलॉजी लैब, एक्स-रे और सोनोग्राफी लैब के डॉक्टरों को इससे अलग कर दिया गया है.

क्टअ ने इसे सरकार का दोहरा रवैया बताते हुए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखा है और मांग की है कि सभी स्वास्थ्यकर्मियों को बिना भेदभाव के पहले चरण में कोरोना वैक्सीन दिया जाए.IMA महाराष्ट्र के अध्यक्ष डॉ अविनाश भोंडवे ने कहा, ह्यकोविड के कारण महाराष्ट्र में 61 निजी डॉक्टरों की जान गयी है, जिनकी बीमा अजी खारिज होने का आरोप भी लगा है. अब इस नए सरकारी सर्कुलर पर 11,000 मेडिकल कंसल्टंट्स वाले एसोसिएशन ऑफ मेडिकल कंसल्टंट्स ने भी कड़ी आपत्ति जताई है.

एसोसिएशन ऑफ मेडिकल कंसल्टंट्स के अध्यक्ष डॉ दीपक बैद और एसो. की महासचिव डॉ नीलिमा वैद्य भामरे के अनुसार, ह्यजिस समय हॉटस्पॉट धारावी में कोई पैर रखने से भी डरता था. उस समय में लोगों की स्क्रीनिंग और देखभाल के लिए इटउ के साथ मिलकर संगठन आगे आया था. धारावी आयुष डॉक्टर एसोसिएशन भी राज्य सरकार के सर्कुलर को मनोबल तोड़ने वाला मान रहे हैं. धारावी आयुष डॉक्टर एसोसिएशन के महासचिव डॉ अख़्तर शेख का मानना है कि महाराष्ट्र सरकार जिस तरह से टीका पाने वाले स्वास्थ्यकर्मियों की सूची तैयार कर रही है उसके चलते करीब दो लाख डॉक्टर इससे बाहर होंगे.

समाचार

वसई विरार में रोजाना चोरी हो रहे हैं 4 से 6 वाहन

वसई : विरार पुलिस ने एक ऐसे गिरोह के 3 लोगों को गिरफ्तार किया है, जो पार्क किए गए वाहनों को चुरा लेते थे। पुलिस ने उनके पास से 12 बाइक व 6 कार जब्त की हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों पर मुंबई, ठाणे, पालघर, नवी मुंबई व मीरा-भाईंदर में चोरी के कई मामले दर्ज हैं। वसई-विरार में रोजाना 4 से 6 वाहन चोरी होते हैं। जानकारी के अनुसार, वसई-विरार में बढ़ते वाहन चोरी के मामलों को लेकर डीसीपी संजय कुमार पाटील ने सभी पुलिस स्टेशन को कड़े निर्देश जारी किए हैं। इसी के मद्देनजर विरार पुलिस स्टेशन के सीनियर पीआई सुरेश वराडे ने डिटेक्शन टीम को वाहन चोरी करने वालों पर निगरानी रखने को कहा। टीम ने सीसीटीवी फुटेज निकालकर जांच पड़ताल शुरू की। साथ ही उन्हें सूचना मिली कि इन वारदातों में एक गैरेज वाला भी शामिल है। पुलिस ने विरार से राकेश हीरालाल यादव को गिरफ्तार कर कड़ाई से पूछताछ की, तो उसने गुनाह कबूल कर लिया। उसकी निशानदेही पर अरमान उर्फ अमीन आरिफ शेख व रुपेश वॉलेंटिन डिमेलो को गिरफ्तार किया गया। जब्त वाहनों की कीमत 24 लाख 75 हजार रुपये बताई जा रही है।

अर्नब गोस्वामी की गिरफ्तारी पर आया महाराष्ट्र के गृह मंत्री का ये बयान

मुंबई: रिपब्लिक टीवी के एडिटर-इन चीफ अर्नब गोस्वामी को दो वर्ष पुराने एक मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है. अलीबाग पुलिस की एक टीम ने गोस्वामी को लोअर परेल स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया है. इस पर महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख का बयान आया है.

अर्नब गोस्वामी की गिरफ्तारी पर महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने कहा है, ह्यकानून से ऊपर कोई नहीं है और राज्य की पुलिस कानून के अनुरूप उचित कार्रवाई कर रही है.ह्व उन्होंने यह भी कहा कि मृतक डिजाइनर की पत्नी ने मामले को दोबारा खुलवाने के लिए अदालत का रुख किया था. उसके बाद ही मुकदमे को दोबारा खोला गया.

गृह मंत्री देशमुख ने बताया है कि मृतक डिजाइनर की बेटी अदन्या ने आरोप लगाया है कि अलीबाग पुलिस ने गोस्वामी के चैनल द्वारा बकाया भुगतान न करने के मामले में जांच नहीं की. उसका दावा है कि इस कारण ही उसके पिता और दादी ने मई 2018 में आत्महत्या कर ली थी।

आजमा कर देखें, असरदार दवा है म्यूजिक थेरेपी

कल्पना कीजिए... सुबह-सुबह का समय... पक्षियों की चहचहाहट और हवा की मधुर सरसराहट के बीच आप भी बगीचे में ध्यान लगा रहे हैं, अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रीय कर रहे हैं... निश्चित ही यह एक सुखद अहसास है। यकीनन यह संगीत की ताकत है। वैसे भी कहा गया है कि संगीत मधुरता के साथ भावनाएं व्यक्त करने का ऐसा माध्यम है जो सीधा आत्मा को छूता है। संगीत को हमेशा से मानसिक स्वास्थ्य से जोड़ा गया है। संगीत इन्सान को खुश, दुखी या तनावपूर्ण बना सकता है। इसीलिए कोई आश्चर्य नहीं कि प्राचीन समय से संगीत को एक मरहम के रूप में प्रयुक्त किया गया है। यहां तक कि मेडिसिन के जनक कहे जाने वाले हिप्पोक्रेट्स भी विभिन्न बीमारियों में म्यूजिक थेरेपी का इस्तेमाल करते थे। समय के साथ विज्ञान और तकनीक का विकास हुआ और आज इन्सान के पास इस बात के पुख्ता प्रमाण हैं कि म्यूजिक एक असरदार दवा के रूप में काम कर सकता है। जानिए म्यूजिक थेरेपी के बारे में -

मैजिक ऑफ म्यूजिक

म्यूजिक वास्तव में विभिन्न वायब्रेशन्स की सीरीज है, जो साउंड क्रिएट करते हैं। चूंकि शरीर इन वायब्रेशन्स को ग्रहण करता है, इसलिए इससे कई शारीरिक बदलाव भी होते हैं। म्यूजिक के प्रकार पर निर्भर करते हुए ये बदलाव अच्छे या बुरे हो सकते हैं। जहां शांत संगीत तनाव घटाता है और बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है, वहीं ज्यादा शोर वाला संगीत लोगों को गुस्सैल बनाता है और आत्महत्या वाले विचार पैदा करता है। हालांकि संगीत के शरीर पर होने वाले असर का अब तक अध्ययन जारी है।

संगीत के असर को समझने के लिए बेथ इजराइल मेडिकल सेंटर के लुईस आर्मस्ट्रॉन्ग सेंटर ऑफ म्यूजिक एंड मेडिसिन में एक रिसर्च की गई। इसमें 32 हफ्तों वाले 272 प्री-मैच्योर नवजात शिशुओं को शामिल किया गया।

वैज्ञानिकों ने पाया कि इन नवजात शिशुओं को जब किसी भी रूप में संगीत (गाना या इंस्ट्रूमेंटल) सुनाया गया तो उनकी हार्ट रेट धीमी पड़ गई। इसमें भी गाने के बोल वाला संगीत ज्यादा असरदार रहा। इससे बच्चों के शांत, लेकिन अलर्ट रहने की आदत भी बढ़ी। इसी स्टडी के लेखक जोनन लोवी के मुताबिक, म्यूजिक थेरेपी से माता-पिता का तनाव भी कम हुआ है। मनोवैज्ञानिक डेनियल जे. लेविटिन कहते हैं, 'आजकल शारीरिक बीमारियों के इलाज के लिए गाने, ध्वनि और लय का बेहतर उपयोग किया जाने लगा है। यह न केवल नवजात शिशुओं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और कैंसर के मैनेजमेंट में भी सहायक है।' डेनियल के अनुसार, 'हमें इस बात के पुख्ता प्रमाण मिल चुके हैं कि ऑपरेशन थिएटर से लेकर फैमिली क्लिनिक तक में म्यूजिक हेल्थ-केयर की भूमिका निभा सकता है।"

उन्होंने अपनी एक किताब में विस्तार से बताया है कि किसी तरह संगीत सेहत को प्रभावित करता है।

अनुसंधानकताओं ने पाया है कि संगीत सुनने से शरीर में एंटीबॉडी इम्युनोग्लोबुलिन ए (आईजीए) का बनना तेज हो जाता है। साथ ही मारक क्षमता रखने वालीं सेल्स (कोशिका) बढ़ जाती है। इन सेल्स का काम विभिन्न वायरस के हमलों से रक्षा करना और रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना है। साथ ही म्यूजिक तनाव तो कम करता ही है। यही कारण है कि म्यूजिक का संबंध रिलेक्सेशन से है।

क्या है म्यूजिक थेरेपी ?

जब कोई मान्यता प्राप्त म्यूजिक थेरेपिस्ट अपने विभिन्न प्रकार के म्यूजिक की मदद से इन्सान को उसकी परेशानी या बीमारी से उबरने में सहायता करता है तो इसे म्यूजिक थेरेपी कहते हैं। म्यूजिक थेरेपिस्ट इस बात का गहरा जानकार होता है कि किस तरह संगीत लोगों में भावनात्मक प्रतिक्रियाएं पैदा कर उन्हें आराम और सुकून पहुंचा सकता है। म्यूजिक थेरेपिस्ट, इन्सान की बीमारी के हिसाब से उस म्यूजिकल स्टाइल का पता लगाता है, जो मरीज को ध्यान की अवस्था में पहुंचा सके और उसके लिए फिजिकल रिहैब सेशन के रूप में काम कर सके। है। म्यूजिक थेरेपिस्ट पता लगा लेते हैं कि मरीज को किस तरह का म्यूजिक पसंद है।

हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की मैग्जीन 'हार्वर्ड हेल्थ पब्लिशिंग" में एक म्यूजिक थेरेपिस्ट हॉली चार्ट्रैंड का जिक्र है। ये हार्वर्ड से संबद्ध मैसेचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल में म्यूजिक थेरेपिस्ट हैं। उन्होंने सबसे पहले एक सिंगर को तैयार किया। वह एक महिला थी, जिसके मन में म्यूजिक की मदद से दूसरों की मदद करने का विचार आया और उसने म्यूजिक थेरेपिस्ट बनने का ठान लिया। वह कहती हैं, ह्यमेरे काम का सबसे अच्छा पक्ष यह देखना है कि जो शख्स अच्छा महसूस नहीं कर रहा है, संगीत उसकी जिंदगी में कितना बड़ा असर डाल सकता है।"

Asthma के मरीजों को क्यों नहीं करनी चाहिए स्मोकिंग?

बढ़ते प्रदूषण के साथ ही इन दिनों अस्थमा के मरीजों की संख्या में भी काफी इजाफा हो रहा है। क्या बच्चे और क्या बुजुर्ग हर कोई इस बीमारी की चपेट में आ रहा है। ऐसे में लोगों की स्मोकिंग की लत इस बीमारी को और भी खतरनाक बना रही है। बीते दिनों ऐक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा की स्मोक करती हुई एक तस्वीर वायरल हुई जिसके लिए उन्हें काफी ट्रोल किया गया। प्रियंका पहले बता चुकी हैं कि वह अस्थमा से पीड़ित हैं। इसलिए स्मोक करने पर फैन्स उनपर भड़क गए। आइए, आपको बताते हैं कि स्मोकिंग किस तरह अस्थमा के मरीजों की मुश्किलें बढ़ा सकती है। सिगरेट वैसे तो शरीर पर कई तरह से नुकसान पहुंचाता है लेकिन यह खासतौर से अस्थमा के लक्षणों को बढ़ावा देता है। जब आप तंबाकू इनहेल करते हैं तो इसके कण सांस की नली में नमी के साथ चिपक जाते हैं। इन कणों की वजह से मरीज को बार-बार अस्थमा का अटैक आता है। सांस की नली में बाहरी कणों को रोकने के लिए छोटे-छोटे रेशे होते हैं। इन्हें सीलिया कहते हैं। तंबाकू सीलिया को भी नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में बाहरी प्रदूषक तत्व आसानी से सांस की नली से लंग्स में पहुंच जाते हैं। अगर सिगरेट पीते हुए किसी और व्यक्ति के बगल में आप खड़े होते हैं तो उसका धुआं आप भी लेते हैं। इसे पैसिव स्मोकिंग या सेकंड हैंड स्मोकिंग कहते हैं। वास्तव में पैसिव स्मोकिंग और भी ज्यादा खतरनाक है क्योंकि इसमें स्मोकर द्वारा छोड़े गए धुएं को आप अंदर लेते हैं।

लघुकथा

एक बार भगवान बुद्ध से उनके शिष्य आनंद ने पूछा- 'भगवन! जब आप प्रवचन देते हैं तो सुनने वाले नीचे बैठ्ते हैं और आप ऊंचे आसन पर बैठ्ते हैं, ऐसा क्यों?' भगवान बुद्ध बोले- 'ये बताओ कि पानी झरने के ऊपर खड़े होकर पिया जाता है या नीचे जाकर?' आनंद ने उत्तर दिया- 'झरने का पानी ऊंचाई से गिरता है. अतः उसके नीचे जाकर ही पानी पिया जा सकता है.' भगवान बुद्ध ने कहा- 'तो फिर यदि प्यासे को संतुष्ट करना है तो झरने को ऊंचाई से ही बहना होगा न?' आनंद ने 'हां में उत्तर दिया.' यह सुनकर भगवान बुद्ध बोल े- 'आनंद! ठीक इसी तरह यदि तुम्हें किसी से कुछ पाना है तो स्वयं को नीचे लाकर ही प्राप्त कर सकते हो और तुम्हें देने के लिए दाता को भी ऊपर खड़ा होना होगा. यदि तुम समर्पण के लिए तैयार हो तो तुम एक ऐसे सागर में बदल जाओगे, जो ज्ञान की सभी धाराओं को अपने में समेट लेता है.'

राशिफल

मेष : व्यावसायिक मामलों में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग और सानिध्य मिलेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

वृष : उपहार या सम्मान में वृद्धि होने का योग है, लेकिन अधीनस्थ कर्मचारी, पड़ोसी आदि से तनाव मिल सकता है। व्यावसायिक मामलों में कुछ व्यवधान रहेंगे।

मिथुन : शासन-सत्ता का भय रहेगा। मन खिन्न हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। जल का दान आपके लिए हितकर होगा।

कर्क : दूसरे की गलती से आपको तनाव मिलेगा। संयम रखें। कनेर के वृक्ष का पूजन करें। संभव हो तो पांच कनेर के वृक्ष लगाएं।

सिंह : संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी, लेकिन किसी सरकारी कर्मचारी के कारण तनाव भी मिल सकता है।

कन्या : पिता या उच्च अधिकारी से टकराव की स्थिति आ सकती है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।

तुला : भावुकता पर नियंत्रण रखें। प्रियजनों से भेंट होगी। उपहार या सम्मान का भी योग है। धर्म गुरु या पिता का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक : मन खिन्न रहेगा। शनि की साढ़ेसाती का भय, दुर्घटना या सरकार कर्मचारी से क्लेश आदि के प्रति सचेत रहें।

धनु : शनि की युति व्यावसायिक सफलता देगी, लेकिन कर्मक्षेत्र में व्यवधान भी देगा। आलस्य पर नियंत्रण रखें। पारिवार को समय दें।

मकर : संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी। मन खिन्न रहेगा। मां या ननिहाल के कारण दुखी रहेंगे।

कुंभ : प्रियजनों से भेंट होगी। व्यावसायिक मामलों में सफलता मिलेगी। धन, यश और कीर्ति में वृद्धि का योग है। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा।

मीन : संतान के कारण चिंतित होंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी।

ब्लैक ड्रेस में कश्मीरा का ग्लैमरस फोटोशूट, पति कृष्णा बोले- घर में है बिरयानी...

एक्ट्रेस कशमीरा शाह अपने नए फोटोशूट के चलते सुर्खियों में बनी हुई हैं. फोटोशूट में कश्मीरा ब्लैक कलर की की ड्रेस में ग्लैमरस नजर आ रही हैं. कश्मीरा के इस फोटोशूट की हर जगह तारीफ हो रही है. वो इसमें काफी फिट और ग्लैम दिख रहीं. पति कृष्णा अभिषेक भी इस फोटो पर रिएक्ट किए बिना नहीं रह पाए. उन्होंने पत्नी कश्मीरा की फोटो शेयर करते हुए अपनी फीलिंग शेयर की हैं. कृष्णा अभिषेक ने फोटो शेयर करते हुए लिखा- जब घर पर आपके पास बिरयानी हो तो आपको बाहर की दाल मखनी क्यों चाहिए?

उर्वशी रौतेला संग वीडियो सॉन्ग में नजर आएंगे

टीवी स्टार मोहसिन खान इनदिनों एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला के साथ स्क्रीन शेयर करने को लेकर चर्चा में हैं. प्रोजेक्ट के बारे में काफी दिनों से ये तरह-तरह के कयास फैन्स द्वारा लगाए जा रहे थे. एक्टर भी इस बारे में कुछ भी खुलासा नहीं कर रहे थे. मगर अब उन्होंने उर्वशी के साथ अपने प्रोजेक्ट की ना सिर्फ जानकारी साझा की है बल्कि एक्ट्रेस संग अपने कुछ स्टिल्स भी शेयर किए हैं. मोहसिन खान ने इंस्टाग्राम पर उर्वशी रौतेला संग अपनी दो तस्वीरें शेयर की है. तस्वीर में वे उर्वशी का हाथ थमें नजर आ रहे हैं. ये नई ऑनस्क्रीन जोड़ी दर्शकों को भी बहुत पसंद आ रही है. मोहसिन कैजुअल लुक में बेहद कूल लग रहे हैं तो वहीं रेड आउटफिट में उर्वशी रौतेला हमेशा की तरह स्टनिंग नजर आ रही हैं. दोनों की जोड़ी को सोशल मीडिया पर बहुत पसंद किया जा रहा है. पहली दफा दोनों स्टार्स एक साथ रोमांस करते नजर आएंगे. तस्वीर के साथ मोहसिन ने कैप्शन में लिखा- उर्वशी रौतेला के साथ काम कर के अच्छा महसूस कर रहा हूं. बहुत विनम्र और जमीन से जुड़ी हुई शख्सियत हैं वो. एक प्यारी और टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं. जल्द ही एक हार्टब्रेकिंग गाने के साथ हम हाजिर होंगे. हालांकि गाने के बारे में अभी ज्यादा डिटेल्स मोहसिन ने शेयर नहीं की है पर उर्वशी संग तस्वीरें शेयर कर प्रशंसकों की उत्सुकता तो बढ़ा ही दी है.

सना फातिमा शेख ने किया खुलासा, मुझे फिल्मों से बाहर निकाला गया

आमिर खान की ह्यदंगलमें अपनी अदाकारी से सबका दिल जीतने वाली एक्ट्रेस सना फातिमा शेख बैक टू बैक दो फिल्मों में नजर आने वाली हैं। उनकी फिल्म लूडोऔर सूरज पे मंगल भारीइस महीने रिलीज होने वाली हैं। इन दोनों फिल्मों के साथ सना दो साल बाद पर्दे पर वापसी कर रही हैं। दंगलकी कामयाबी के बाद वो ह्यठग्स ऑफ हिन्दोस्तानमें नजर आई थीं, लेकिन वो फिल्म पर्दे पर बुरी तरह पिटी। दो साल बाद लगातार दो फिल्मों में आने को लेकर सना काफी खुश हैं। इस दौरान उन्होंने अपने करियर को स्ट्रगल को लेकर बात की है।

सना ने बताया है कि प्रोड्यूसर उनपर पैसा ही नहीं लगाना चाहते थे, एक वक्त ऐसा आया जब उन्हें लगने लगा उनका करियर खत्म। पिंकविला से बातचीत में सना ने बताया, ह्यमुझे लगा मेरा करियर खत्म। मुझे कई फिल्मों बाहर निकाल दिया गया, मुझे काम मिल रहा था, लेकिन उस तरह का नहीं जैसा मैं चाहती थी। अब या तो आपको कैसा भी काम मिले वो करना पड़ेगा या फिर इंतजार करने पड़ेगा, इसलिए मैंने इंतजार किया। मैंने ये फैसला इसलिए किया क्योंकि इंडस्ट्री का हिस्सा बनना बहुत मुश्किल है और मैं उस जगह होना चाहती थी जहां मैं खुद निर्णय ले सकूं। इसलिए मैंने निर्णय लिया और खुद को दो साल को वक्त दिया। अब मेरा ये निर्णय भी काम नहीं करता तो फिर मैं वो करूंगी जो मेरी किस्मत में लिखा होगा। बहुत मुश्किल से लॉन्च और एंट्री मिली है, मैं इसे जाने नहीं दे सकती।

आगे सना ने कहा, ये बहुत दुख देने वाला और बहुत निराशाजनक था। मुझे लगा मेरा करियर खत्म हो गया, लेकिन मैं हार नहीं मानना चाहती थी। ये अच्छी बात है कि दो साल के अंदर मुझे अच्छे और बहुत बुरे दोनों तरह के एक्सपीरियंस हो गए। मैं ये सोचती रहती थी कि अगर फिल्म फ्लॉप हो गई तो काम नहीं मिलेगा क्या?

खुलेंगे राज्य के सभी सिनेमा हॉल, थियेटर और मल्टीप्लेक्स

50 फीसद क्षमता के साथ खोलने की अनुमति

मुंबई, देश में कोरोना ने कहर के कारण चल रहे लंबे लॉकडाउन से जूझ रहे महाराष्ट्र के लोगों को एक बड़ी राहत मिली है। बुधवार को महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के सभी सिनेमा हॉल, थियेटर और मल्टीप्लेक्स को 50 फीसद क्षमता के साथ खोलने की अनुमति दे दी है। हालांकि सरकार ने इसके लिए एक कड़ी शर्त रखी है कि यह रियायत हॉट स्पॉट के बाहर (कंटेनमेंट जोन) ही मान्य होंगे। सरकार ने इन सभी को खोलने की अनुमति गुरुवार से दी है। यानी पांच नवंबर से वहां मल्टीप्लेक्स और सिनेमा हॉल में लोग जाकर सिनेमा देखने का मजा ले सकेंगे।

इससे पहले कोरोना के जारी कहर के कारण वहां की उद्धव सरकार ने राज्य में लॉकडाउन को अगले महीने 30 नवंबर तक के लिए बढ़ा दिया था। इसके बाद इससे जुड़े दिशा निर्देश भी जारी कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। जानकारी के लिए बता दें कि कोरोना केसों के मामले में महाराष्ट्र पूरे देश में नंबर वन पर हैं। हालांकि सरकार वहां पर पूरी सख्ती से कोरोना की गाइडलाइन का पालन लोगों से करवा रही है। इधर लोग भी अपनी सतर्कता बरत कर कोरोना की चेन का तोड़ने में अहम भूमिका निभार रहे हैं।

मुंबई में कोविड-19 के 745 नए केस मंगलवार को मिले थे। इसके साथ ही वहां कुल आंकड़ों की बात की जाए तो यहां 2.59 लाख लोग इस बीमारी की चपेट में आ चुके हैं। वहीं एक दिन में कुल 939 मरीज ठीक हो चुके हैं। बीते 24 घंटों में इस बीमारी से 15 लोगों ने जान गवा दी है। इसके साथ ही कुल मौत का आंकड़ा 10,320 पहुंच गया है। हालांकि सक्रिय मरीजों की संख्या अभी भी ज्यादा है यह 17444 हैं। कोरोना से ठीक होने वालों का दर करीब 89 फीसद है। राज्य में केस डबल होने में अब 185 दिन लग रहे हैं। इधर अगर पूरे राज्य की बात की जाए तो महाराष्ट्र में मंगलवार को 4909 नए केस मिले। वहीं 6973 मरीज ठीक हुए हैं।

मादक पदार्थ की जब्ती

एनसीबी ने करिश्मा प्रकाश से पूछताछ की

मुंबई : अदाकारा दीपिका पादुकोण की पूर्व प्रबंधक करिश्मा प्रकाश पिछले महीने अपने आवास से हशीश की जब्ती के मामले में बुधवार को पूछताछ के लिए एनसीबी के सामने पेश हुई। प्रकाश दिन में सवा बारह बजे दक्षिण मुंबई में एनसीबी कार्यालय में जाती हुई नजर आयीं। एक अधिकारी ने बताया कि प्रकाश से अभी भी पूछताछ चल रही है। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में मादक पदार्थ के पहलुओं की जांच कर रहे स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) की एक टीम ने प्रकाश के वसोर्वा आवास से 1.8 ग्राम हशीश जब्त की थी। अधिकारी ने बताया कि प्रकाश को पूर्व में तलब किया गया था लेकिन उनका पता नहीं चल पाया क्योंकि उनका मोबाइल स्विच ऑफ था। बहरहाल, क्वान टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि प्रकाश उनके साथ नहीं जुड़ी हैं। प्रकाश ने 21 अक्टूबर को ही कंपनी से इस्तीफा दे दिया और इसे इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया।

कौशांबी के युवक की मुंबई में मौत

कसेंदा : पिपरी थाना क्षेत्र के कसेंदा गांव के एक युवक की मुंबई के कल्याण में सोमवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इसकी जानकारी स्वजनों को हुई तो घर में कोहराम मच गया है। घर वालों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के लोग शव लेने के लिए मुंबई रवाना हो गए हैं। कसेंदा गांव निवासी राजेश (35) पुत्र स्वर्गीय सूरज पाल कनौजिया कल्याण में रहकर रेडीमेड कपड़े का कारखाना चलाता था।

पत्नी गुड़िया देवी के मुताबिक सोमवार शाम वे दुकान बंद कर कमरा पहुंचे और खाना खाने के बाद रात में लगभग 11 बजे फोन पर उन्होंने वालों का हाल चाल लिया। उसके बाद उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। थोड़ी ही देर बाद ड्यूटी से लौटे साथी ने दोबारा फोन करके बताया कि राजेश को उन्हें बिस्तर पर मृत पाया। पति की मौत की जानकारी मिलते ही पत्नी गुड़िया देवीचीखने चिल्लाने लगी। चीख पुकार व रोने पिटने की आवाज सुनकर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

मुंबई में रैपिडो को RTO का नोटिस, बंद होगी बाइक-टैक्सी

मुंबई: मुंबई के परिवहन विभाग ने ऐप आधारित बाइक-टैक्सी सेवा कंपनी रैपिडो को सेवा तत्काल बंद करने को कहा है. अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि राज्य सरकार ने अभी कंपनी को इस तरह के कारोबार की अनुमति नहीं दी है. रैपिडो ने पिछले शुक्रवार को बाइक-टैक्सी सेवा शुरू करने की घोषणा की थी. कंपनी ने कहा था कि अपने परिचालन के विस्तार के तहत वह अगले दो साल में दो लाख बाइक ड्राइवरों को जोड़ेगी.

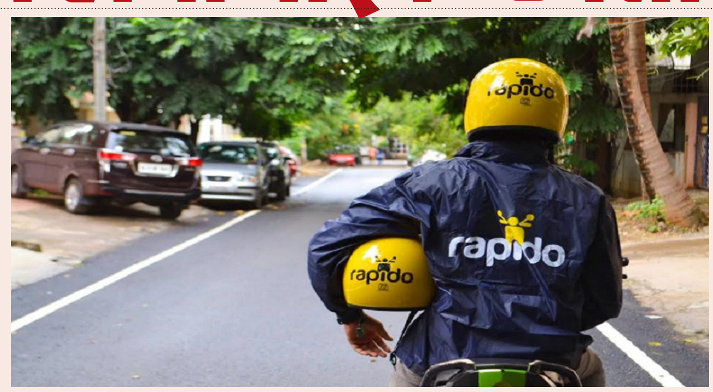

हालांकि, महाराष्ट्र के मोटर वाहन विभाग ने कहा है कि उसने कंपनी को इस सेवा के लिए अनुमति नहीं दी है और यह गैरकानूनी है. राज्य के परिवहन आयुक्त अविनाश ढाकणे ने कहा, अंधेरी के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) ने कंपनी को नोटिस जारी किया है. सोमवार को जारी आरटीओ नोटिस में कहा गया है कि रैपिडो द्वारा शुरू की गई बाइक-टैक्सी सेवा गैरकानूनी है. महाराष्ट्र सरकार ने अभी तक इस तरह की टैक्सी सेवा के लिए अनुमति नहीं दी है.

लोग वोट डालने उमड़े, पर सोशल डिस्टेंसिंग तो दूर मास्क भी नहीं पहन रहे

बिहार : बिहार में आज दूसरे फेज की 94 सीटों पर वोटिंग हो रही है। चुनाव आयोग से लेकर प्रधानमंत्री मोदी समेत कई लोग बोल चुके हैं कि वोट डालने जरूर निकलें, लेकिन सोशल डिस्टेंसिंग का भी ध्यान रखे। लेकिन, लोग हैं कि मान ही नहीं रहे। अच्छी बात है कि वो अपनी जिम्मेदारी समझकर वोट डालने तो निकल रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार नहीं बन पा रहे। पोलिंग बूथ पर सोशल डिस्टेंसिंग तो दूर, लोग मास्क तक पहने नहीं दिख रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक रफीक एम. शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस ३-४ अमीन इंडस्ट्रीयल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नं.२, गोरेगांव (पूर्व) मुंबई-६३ से मुद्रित कराकर रूम नं. २६, कामा रोड, रोशन नगर, गांव देवी डोंगरी, अंधेरी (प.), मुंबई-५८ से प्रकाशित किया। मो. : ९८३३७७११२० समस्त विवादों के लिए न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।
संपादक : रफीक एम. शेख सह संपादक : अहमद शेख (मो.७७१५९४९०३२), Email : aib7861@gmail.com / allindiabrigade@gmail.com

CMYK